Hindi Murli Quiz 08-11-2015

.

Q.1) **Q. "सभी बच्चों के रूप-बसन्त अर्थात 'बसन्त बनना और रूप में स्थित होना'-- इन दोनों के बैलेन्स को देखकर बापदादा ने निम्नलिखित प्रश्न किये ? क्या यह सच है ?**
"जैसे बसन्त अर्थात् वाणी में आने की बहुत प्रैक्टिस है, ऐसे वाणी से परे जाने का अभ्यास कितना है ? सर्व कर्मेन्द्रियों के कर्म की स्मृति से परे एक ही आत्मिक स्वरूप में स्थित हो सकते हो ? बच्चों को कर्म खींचता है या कर्मातीत अवस्था खींचती है ? देखना, सुनना, सुनाना - ये विशेष कर्म जैसे सहज अभ्यास में आ गये हैं, ऐसे ही कर्म को समेटने की शक्ति से अकर्मी अर्थात् कर्मातीत बन सकते हो ?"

A. सही
B. गलत

Q.2) **Q. एक है कर्म-अधीन स्टेज, दूसरी है कर्मातीत अर्थात् संगमयुगी कमेन्द्रियोंजीत स्वराज्यधारी स्टेज । अभी के स्वराज्यधारी ही जन्म-जन्मान्तर के राजा बनेंगे। बापदादा ने मुरली में राज्य अधिकारी राजाओं से विभिन्न प्रश्न पूछे हैं, उनको टिक करें -----**

A. आप हरेक राज्य अधिकारी रोज अपनी राज दरबार लगाते हैं?
B. राज्य दरबार में राज्य कारोबारी आप के ऑर्डर में है और अपने कार्य की रिजल्ट देते हैं ?
C. कोई भी कारोबारी अमानत में ख्यानत व मिलावट व किसी भी प्रकार की खिटखिट तो नहीं करते हैं?
D. आप राज्य अधिकारियों का कर्मेन्द्रियों पर राज्य है या प्रजा [कर्मेन्द्रियों] का आप पर राज्य है?
E. आपकी प्रकृति रूपी दासी आप प्रकृतिजीत के ऑर्डर प्रमाण अपना कार्य कर रही है?
F. आपके राज्य दरबार की मुख्य 8 सहयोगी शक्तियाँ आपके कार्य में सहयोग दे रही हैं?

Q.3) **Q. "राज्य कारोबार की शोभा हैं - ये अष्ट शक्तियाँ । अगर राज्य अधिकारी अलबेलेपन की नींद में व अल्पकाल की प्राप्ति के नशे में व व्यर्थ संकल्पों के नाच में मस्त होंगे तो सहयोगी शक्तियाँ भी समय पर सहयोग नहीं देंगी। इसलिये पहले चेक करना है कि संकल्प शक्ति, निर्णय शक्ति और संस्कार शक्ति - तीनों ही शक्तियाँ ऑर्डर में हैं। फिर चेक करना है कि 8 शक्तियाँ ऑर्डर में है। यह तीन शक्तियाँ है महामन्त्री। यह हमारे मन्त्री दलबदलू तो नहीं है, कभी माया के मुरीद तो नहीं बन जाते हैं ।"**

A. सही
B. गलत

Q.4) **Q. उपयुक्त शब्द से रिक्त स्थान भरें -------**

	Choice	Match
A	अगर अभी तक भी कन्ट्रोलिंग पावर नहीं होगी तो फाइन भरने [सजायें-खाने] के लिए ----------में जाना पड़ेगा ।	धर्मराजपुरी ।
B	जिसकी अभी से राज्य ------- ठीक है वह धर्मराज की --------- में नहीं जायेंगे।	दरबार ।
C	अगर अब तक भी पुराने खाते का ---------चुक्ता करने के वजाए बढ़ाते चलेंगे तो उतना ही चिल्लाना पड़ेगा।	हिसाब-किताब ।
D	बाप ने खजाने दिये हैं, स्व-कल्याण और विश्व-कल्याण के प्रति। लेकिन व्यर्थ तरफ लगाना, अकल्याण के कार्य में लगाना, यह अमानत में -------हो रही है।	ख्यानत ।
E	श्रीमत के साथ परमत और जनमत की ----------होने से एक का सौगुणा होकर जमा होता रहता है इसलिए ख्यानत और ------ को समाप्त करो ।	मिलावट ।

Q.5) **Q. मुरली में बापदादा की दी हुई अहम शिक्षाएँ चयन करें --------**

A. रूहानियत और रहम को धारण करो। अपने ऊपर और सर्व के ऊपर रहमदिल बनो।
B. स्व को देखो, बाप को देखो, औरों को नहीं देखो।
C. याद रखो – "कहकर नहीं सिखाना है,श्रेष्ठ कर्म करके सिखाना है।'
D. व्यर्थ बातें सुनते हुए, देखते हुए होली हंस बन, व्यर्थ छोड़ समर्थ धारण करो।
E. समय का इन्तजार नहीं करना। सदा स्वयं को ऑफर करो कि मैं एवररेडी हूँ।
F. रोज अपनी राज-दरबार लगाओ, कचहरी करो। चेक करने से चेन्ज हो जायेंगे।

Q.6) **Q. उपयुक्त शब्द से रिक्त स्थान मैच करें --------**

	Choice	Match
A	बाप-दादा की नजर हरेक बच्चे की --------पर जाती है।	विशेषता ।
B	आप भी जब किसी के --------- में आते हो तो विशेषता पर नजर जानी चाहिए।	सम्पर्क।
C	जैसे जवाहरी की नजर सदा ------ पर रहती, आप भी ज्वैलर्स हो, अपनी नजर पत्थर की तरफ न जाए, ------को देखो।	हीरे ।
D	तीव्र पुरूषार्था को मेहनत नहीं करनी पड़ती, सब कुछ ------- हो जाता है।	सहज ।
E	जहाँ कोई भी मुश्किल अनुभव होता है वहाँ उसी स्थान पर बाबा को रख दो। बोझ अपने ऊपर रखते हो तो -------लगती।	मेहनत ।
F	अब मन्सा सेवा करो, शुभाचिंतन करो, मनन शक्ति को बढ़ाओ। मेहनत तो ------ करते हैं आप तो अधिकारी हैं।	मजदूर ।

Q.7) **Q. सही वाक्य ही चुनें –------**

A. ☑ ब्राहमण जीवन की विशेषता है अनुभव। नॉलेज के साथ-साथ हर गुण की अनुभूति होनी चाहिए।
B. ☑ अगर एक भी गुण वा शक्ति की अनुभूति नहीं तो कभी-न-कभी विघ्न के वश हो जायेंगे।
C. ☑ स्वयं को वा दूसरों को अनुभव कराकर हर गुण वा शक्ति रूपी खजाने को यूज करो।
D. ☑ जिस समय जिस गुण की आवश्यकता है उस समय उसका स्वरूप बन जाओ।
E. ☑ .यदि प्रेम स्वरूप बनकर किसी आत्मा को देखोगे तो उसे रूहानी प्रेम की अनुभूति होगी ।

Q.8) **Q. "अनुभवी के बोल और नॉलेज वाले के बोल में अन्तर होता है। सिर्फ नॉलेज वाला अनुभव नहीं करा सकता। तो चेक करो कि कहाँ तक मैं अनुभवी मूर्त बना हूँ, कौन-सी शक्ति किस परसेन्टेज में प्राप्त की है और समय पर कार्य में ला सकता हूँ या नहीं। ऐसा न हो दुश्मन आवे और तलवार चले नहीं अथवा ढाल के समय तलवार और तलवार के समय ढाल याद आ जाए। जिस समय जिस चीज की आवश्यकता है वही यूज करो तब विजयी हो सकेंगे।"**

A. ◉ सही
B. ○ गलत

Q.9) **Q. "कर्म में, वाणी में, सम्पर्क में व सम्बन्ध में लव और स्मृति व स्थिति में लवलीन रहो तो सब कुछ भूलकर देही-अभिमानी बन जायेंगे। लव ही बाप के समीप सम्बन्ध में लाता है, सर्वस्व त्यागी बनाता है। इस लव की विशेषता से वा लवलीन स्थिति में रहने से ही सर्व आत्माओं के भाग्य व लक को जगा सकते हो। यह लव ही लक के लॉक की चाबी है। इससे कैसी भी दुर्भाग्यशाली आत्मा को भाग्यशाली बना सकते हो।"**

A. ◉ True
B. ○ False

Q.10) **Q. निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें -------**
"स्वयं के ----------की घड़ी निश्चित करो तो विश्व ------- स्वत: हो जायेगा।"

- परिवर्तन
- PARIVARTAN
- परिवरतन
- परीवर्तन